मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, भोपाल का त्रैमासिक न्यूज लेटर

जैवविविधता

अंक – 4 जनवरी – मार्च 2022

संपादकीय

जैवविविधता संरक्षण में जैवविविधता प्रबधन समिति की भूमिका

डॉ अतुल श्रीवास्तव
सदस्य सचिव

जैवविविधता अधिनियम, 2002, एवं मध्यप्रदेश जैवविविधता नियम, 2004 तथा जैविक संसाधनों तक पहुँच और सहयुक्त जानकारी तथा फायदा बंटाना विनियम, 2014 (विनियम, 2014) के प्रावधानों के अंतर्गत जैवविविधता संरक्षण एवं संवर्धन, जैवसंसाधनों का संवहनीय उपयोग तथा लाभों का साम्यपूर्ण प्रभाजन के क्रियान्वयन हेतु जैवविविधता प्रबंधन समितियों का गठन प्रावधानित है। इस हेतु प्रदेश में प्रत्येक स्थानीय निकाय स्तर (पंचायत एवं नगरीय निकाय) पर जैवविविधता प्रबंधन समितियों का गठन किया गया है।

जैवविविधता प्रबंधन समिति के सहयोग से स्थानीय स्तर पर जैवविविधता का संरक्षण एवं उपलब्ध जैवविविधता का दस्तावेजीकरण किया जाना है। इस परिप्रेक्ष्य में मध्य प्रदेश में समस्त स्थानीय निकाय स्तर पर डिजिटल एवं डायनामिक लोक जैवविविधता पंजी का निर्माण कार्य किया गया है। जैवविविधता का दस्तावेजीकरण अंतर्गत स्थानीय लोगों के परामर्श से लोक जैवविविधता पंजी में स्थानीय जैविक संसाधनों की उपलब्धता और ज्ञान, उनके औषधीय या किसी अन्य उपयोग या उनसे जुड़े किसी भी अन्य पारंपरिक ज्ञान का अद्यतनीकरण किया जा रहा है। बोर्ड द्वारा जैवविविधता प्रबंधन समितियों को लोक जैवविविधता पंजी के अद्यतन कार्य हेतु मार्गदर्शन तथा तकनीकी सहायता प्रदान की जा रही है। मैदानी स्तर पर जैवविविधता प्रबंधन समितियों द्वारा जैवविविधता से सरोकार रखने वाले विभागों के सहयोग से डिजिटल एवं डायनामिक लोक जैवविविधता पंजी को निरंतर अपडेट किये जाने का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य में जैवविविधता के सहयोगी विभागों एवं स्थानीय समुदाय का सहयोग भी आवश्यक है।

आशा है कि जैवविविधता सरंक्षण एवं संवर्धन तथा लोक जैवविविधता पंजी अद्यतन कार्य में स्थानीय समुदाय, स्थानीय निकायों, जैवविविधता प्रबंधन समितियो एवं जैवविविधता के से साझा सरोकार रखने वाले विभागों द्वारा सक्रिय सहयोग प्रदान किया जायेगा।

शुभकामनाओं सहित।

(डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव)
सदस्य सचिव

1. मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता ऑनलाईन क्विज –2021

आजादी के अमृत महोत्सव अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, भोपाल द्वारा जैवविविधता जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से दिनांक 24.10.2022 को ''मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता ऑनलाईन क्विज –2021'' का जिला स्तरीय कार्यक्रम प्रदेश के समस्त जिला मुख्यालय स्तर पर आयोजित किया गया था। इसके पश्चात दिनांक– 05.01.2022 को मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता ऑनलाईन क्विज –2021 का आयोजन किया गया। राज्य स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में जिला–सिंगरौली को प्रथम, जिला उज्जैन को द्वितीय एवं जिला रतलाम को तृतीय विजेता घोषित किये गये।

राज्य स्तरीय विजेता टीम				
पुरस्कार	टीम के सदस्य			विद्यालय
प्रथम	प्रभांशु मिश्रा	अवधेश महापात्रा	आयुष्मान सिंह	**दिल्ली पब्लिक स्कूल, विंध्यनगर, सिंगरौली**
द्वितीय	रितिका साहू	शिवेन्द्र प्रताप सिंह	निकुंज पाटिदार	**जवाहर नवोदय विद्यालय, घटिया, उज्जैन**
तृतीय	संदीप पाटीदार	हरिओम धाकड़	शिवम पाटीदार	**शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, रतलाम**

प्रथम **द्वितीय** **तृतीय**

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड की 19वी बोर्ड बैठक

मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, वल्लभ भवन मंत्रालय भोपाल के प्रतिकक्ष में दिनांक 14.02.2022 को मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड की 19 वीं बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बोर्ड द्वारा संपादित गतिविधियों एवं जैवविविधता संरक्षण आधारित एजेण्डा का प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर श्री इकबाल सिंह बैंस, मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन व अध्यक्ष, मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा Trees of Bhopal पुस्तक एवं ऑनलाईन लोक जैवविवधिता पंजी तथा जैवसंसाधन व्यापार प्रबंधन सूचना प्रणाली पोर्टल का विमोंचन किया गया।

श्री इकबाल सिंह बैंस, मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन एवं अध्यक्ष, मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा डिजिटल एवं डायनेमिक लोक जैवविविधता पंजी, जैवसंसाधन व्यापार प्रबंधन सूचना प्रणाली पोर्टल का शुभारंभ एवं Trees of Bhopal पुस्तक का विमोचन किया गया।

ऑनलाईन पोर्टल– डिजिटल एवं डायनेमिक लोक जैवविविधता पंजी

प्रदेश में समस्त स्थानीय निकाय स्तर (पंचायत स्तर/नगरीय निकाय) पर गठित जैवविविधता प्रबंधन समितियों द्वारा मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड के तकनीकी सहयोग से सेकेण्डरी डाटा डिजिटल एवं डायनेमिक लोक जैवविविधता पंजी का निर्माण किया गया। मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा समस्त निकाय स्तर पर तैयार की गई 23,557 डिजिटल एवं डायनेमिक लोक जैवविविधता पंजी को विद्यालय/महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय में पदस्थ जैवविविधता विषय आधारित शिक्षक/व्याख्याताओं द्वारा प्राथमिक डाटा के आधार पर अद्यतनीकरण कार्य किया जा रहा है। लोक जैवविविधता पंजी के अद्यतनीकरण कार्य उपरान्त प्राप्त डाटाबेस को पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन किया जा रहा है। पोर्टल के सहयोग से प्रदेश के किसी भी जिले की किसी भी स्थानीय निकाय स्तर की जैवविविधता आधारित जानकारी ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। यह पोर्टल जैवविविधता आधारित विभागों (वन, कृषि, पशुपालन, मत्स्यपालन, उद्यानिकी), विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं एवं जैवविविधता तथा उससे संबंधित क्षेत्र की अनुसंधानकर्ताओं के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

ऑनलाईन पोर्टल – जैवसंसाधन व्यापार प्रबंधन सूचना प्रणाली

प्रदेश में जैवसंसाधनों का वाणिज्यिक उपयोग करने वाले समस्त व्यापारियों एवं विर्निमाताओं को जैवविविधता अधिनियम, 2002 की धारा–7 के अतर्गत सूचना देकर पंजीयन करवाना अनिवार्य है। इस हेतु समस्त वनमण्डलाधिकारी क्षेत्रीय वनमंडल/उप संचालक, टाईगर रिजर्व एवं प्रभागीय प्रबंधक म.प्र. राज्य वन विकास लिमिटेड को बोर्ड का पदेन सहायक सदस्य सचिव घोषित कर जैवसंसाधनों के वाणिज्यिक उपयोग प्राप्ति का अनुज्ञा प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत किया गया है।

जैवविविधता अधिनियम, 2002 के प्रावधान अनुसार जैवसंसाधनों तक पहुॅच एवं लाभ प्रभाजन (Access and Benefit Sharing) के अंतर्गत वनमण्डलों में पंजीकृत व्यापारी एवं उनके द्वारा किये गये व्यापार का डाटा संधारण एवं निगरानी करने हेतु प्रादेशिक स्तर पर जैवसंसाधन व्यापार प्रबंधन सूचना प्रणाली पोर्टल विकसित किया गया है।

इस पोर्टल के माध्यम से प्रदेश में पंजीकृत समस्त व्यापारियों एवं विर्निमाताओं की जानकारी एवं अनुज्ञेय जैवसंसाधनों की मात्रा की एकजाई जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। पोर्टल के माध्यम से बोर्ड, वनमण्डल एवं रेंज स्तर पर जैवसंसाधन के व्यापार की जानकारी का डाटा सुलभता से संकलित किया जावेगा। पोर्टल के माध्यम से व्यापारी एवं विर्निमाता भी उनको स्वीकृत जैवसंसाधन की मात्रा एवं उपयोग की जा चुकी मात्रा का अवलोकन कर सकेगें। म.प्र. राज्य जैवविविधता बोर्ड की 19वीं बैठक में मुख्य सचिव, म.प्र. शासन एवं अध्यक्ष म.प्र. राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा पोर्टल का शुभारम्भ किया गया।

भोपाल के वृक्षों का दस्तावेजीकरण – Trees of Bhopal

जैवविविधता के विभिन्न घटकों पर शोध एवं दस्तावेजीकरण मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड के प्रमुख कार्यो में से एक है। इस दिशा में बोर्ड द्वारा शहीद भगतसिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, आष्टा, म.प्र. को स्वीकृत परियोजना अंतर्गत भोपाल के वृक्षों का दस्तावेजीकरण किया गया है। बोर्ड द्वारा परियोजना के निष्कर्षों को ज्तममे व िठीवचंस नामक पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया गया है। पुस्तक का लेखन कार्य डॉ. माधुरी मोदक, प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र द्वारा किया गया है। पुस्तक में भोपाल शहर के 175 जेनेरा के 254 वृक्षों का चित्र सहित वर्णन किया गया है। पुस्तक में भोपाल के दुर्लभ, संकटापन्न एवं संकटग्रस्त वृक्षों की प्रजाति का भी उल्लेख किया गया है। इस पुस्तक को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुॅचानें के लिए ई–बुक के रूप में भी प्रकाशित Trees of Bhopal पुस्तक का मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन एवं अध्यक्ष मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा विमोचन किया गया है।

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड की समीक्षा बैठक

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड की समीक्षा बैठक का आयोजन दिनांक 21.02.2022 श्री रमेश कुमार गुप्ता, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, मध्यप्रदेश शासन की अध्यक्षता में किया गया। बोर्ड कार्यालय में आयोजित बैठक में वन विभाग, मध्यप्रदेश की शाखा अनुसंधान एवं विस्तार, कैम्पा, उत्पादन, विकास, लघु वनोपज संघ, वन्यप्राणी, प्रशासन–1 के वरिष्ठ वन अधिकारी, जैवविविधता बोर्ड के अधिकारीगण एवं तकनीकी विशेषज्ञ उपस्थित हुए। ग्रीन इण्डिया मिशन में बोर्ड द्वारा संपादित कार्यो के आधार पर आगामी रणनीति पर चर्चा हेतु बैठक में श्री के. रमन, (से.नि.), अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। बैठक में श्री रमेश कुमार गुप्ता, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, मध्यप्रदेश शासन द्वारा अवगत कराया गया कि मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा मैदानी स्तर पर वन विभाग की इकाईयों एवं जैवविविधता प्रबंधन समितियो के माध्यम से जैवविविधता एवं जैव संरक्षण संबंधित गतिविधियों के क्रियान्वयन किया जाता है। इस परिप्रेक्ष्य में वन विभाग की अनुसंधान एवं विस्तार, कैम्पा, ग्रीन इण्डिया मिशन उत्पादन, विकास, लघु वनोपज संघ, वन्यप्राणी, शाखाओं से जैवविविधता बोर्ड का समन्वय आवश्यक है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड के सदस्य सचिव द्वारा ग्रीन इंडिया मिशन अंतर्गत आईसर भोपाल के तकनीकी सहयोग से निर्मित बायोडायवर्सिटी प्रोटोकॉल की प्रति प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, मध्यप्रदेश को भेंट की गई।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख द्वारा तैयार किये गये डिजिटल एवं डायनेमिक लोक जैवविविधता पंजी ई–पी.बी.आर. पोर्टल का अवलोकन किया गया तथा जनपद पंचायत– शुजालपुर, जिला– शाजापुर द्वारा अद्यतन की गई लोक जैवविविधता पंजी का विमोचन किया गया।

बैठक में बोर्ड द्वारा विशेष रूप से आमंत्रित श्री अनुपम शर्मा, एस.डी.ओ. मैहर, सामान्य वनमण्डल– सतना द्वारा जैव संसाधन व्यापार प्रबंधन सूचना प्रणाली पोर्टल का प्रस्तुतीकरण किया गया। बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख द्वारा पोर्टल निर्माण की सराहना की गई एवं पोर्टल निर्माण टीम के सभी सदस्यों को द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान किये गये।

श्री रमेश कुमार गुप्ता, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, मध्यप्रदेश शासन की अध्यक्षता में बोर्ड की समीक्षा बैठक का आयोजन दिनांक 21.02.2022 मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड कार्यालय में किया गया।

जैवविविधता जागरूकता कार्यक्रम

1. राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर

शासकीय महिला पॉलिटेक्निक भोपाल द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना कैम्प (एन.एस.एस.–छात्रा शिविर) का आयोजन **ग्राम पंचायत, बंगरसिया– जिला भोपाल में दिनांक 07 से 12 फरवरी 2022 तक** किया जा रहा है। मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड भोपाल द्वारा शिविर में पर्यावरण संरक्षण अंतर्गत जैवविविधता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 09.02.22 को किया गया। कार्यक्रम में डॉ. कुनिका सिलोदिया, एवं सुश्री शिवानी शर्मा, तकनीकी विशेषज्ञ मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से प्रतिभागियो को जैवविविधता संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व तथा एन.एस.एस. कैम्प के माध्यम से स्थानीय समुदाय को जैवविविधता संरक्षण के प्रति जागरूक किये जाने हेतु अवगत कराया गया। कार्यक्रम में एन.एस.एस. शिविर की प्रतिभागी छात्राये, एन.एस.एस. भोपाल विंग के प्रतिनिधि एवं शासकीय महिला पॉलिटेक्निक भोपाल के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया कार्यक्रम सफल आयोजन डॉ. धर्मेन्द्र वर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, भोपाल एवं डॉ. के.व्ही.राव, प्राचार्य, शासकीय महिला पॉलिटेक्निक भोपाल के मार्गदर्शन में किया गया। एन.एस.एस. कैम्प प्रभारी श्रीमती आरती लाड, वरिष्ट व्याख्याता शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय भोपाल द्वारा शिविर में मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा आयोजित जैवविविधता जैवविविधता जागरूकता कार्यक्रम की सराहना करते हुये धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम समाप्त किया गया।

ग्राम पंचायत, बंगरसिया– जिला भोपाल में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.–छात्रा शिविर)

2. अर्थ आवर

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड भोपाल द्वारा डबल्यू.डबल्यू.एफ.फॉर नेचर के सहयोग से अर्थ ऑवर के अवसर पर दिनांक 26.03.2022 को भोपाल में डी.बी.मॉल में रात्रि 8.30–9.30 एक घंटे के लिए बिजली के उपयोग को सीमित किये जाने के उद्देश्य से बिजली बंद किया गया। दुनियाभर में लोंग एक घंटे के लिए बिजली की खपत को बंद कर देते है। इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य बिजली की खपत को कम करना तथा पर्यावरण संरक्षण व जैवविविधता संरक्षण को बढावा देना है। कार्यक्रम में पुलिस बैंड द्वारा देश भक्ति संगीत की शानदार प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम में स्थानीय जनसमुदाय, डॉ. बकुल लाड़, सहायक सदस्य सचिव, मध्य प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, श्रीमती संगीता सक्सेना, संचालक, डबल्यू.डबल्यू.एफ. फॉर नेचर, बोर्ड के तकनीकी विशेषज्ञ, डॉ. कुनिका सिलोदिया, डा. गौरव सिंह, विजेश हरियाले, विवेक पांडेय, शुभम एवं शिवानी शर्मा उपस्थित रहे।

3. विश्व गौरेया दिवस – 2022

गौरैया पैसेरिडी परिवार की सदस्य है। यह पक्षी मानव आबादी के आस पास पाया जाता है तथा स्वस्थ्य पर्यावरण का सूचक है। वर्ष 1970 के पश्चात इनकी संख्या में निरंतर कमी देखी गई है। इनकी संख्या में कमी आने के प्रमुख कारण नीड़न स्थान की कमी, लार्वों की कमी, मोबाईल तरंगे, कीटनाशक, अनलेडेड पेट्रोल आदि है। गौरेया की घटती संख्या को देखते हुये जागरूकता लाने के उद्देश्य से वर्ष 20 मार्च 2010 से सम्पूर्ण विश्व में गौरेया दिवस मनाने की शुरूआत की गई।

इस वर्ष दिनांक 20 मार्च 2022 को गौरेया दिवस के अवसर पर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान जू भोपाल में जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम भोपाल बर्ड्स संस्था के सहयोग से मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड एवं वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वनसंरक्षक एवं सदस्य सचिव, म.प्र. राज्य जैवविविधता बोर्ड उपस्थित रहे। कार्यक्रम में व्ही.एन.एस. नेचर सेवियर, ईको क्लब शासकीय नवीन विद्यालय एवं शासकीय कन्या पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के लगभग 122 छात्र–छात्राओं एवं सहयोगी कर्मचारियों ने भाग लिया। समस्त प्रतिभागियों को पक्षी अवलोकन एवं नेचर ट्रेल भ्रमण कराया गया।

कार्यक्रम में गौरेया पर आधारित प्रश्नोत्तरी, चित्रकला एवं कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव एवं श्री एच.सी. गुप्ता, संचालक, वन विहार द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा भोपाल में आयोजित विश्व गौरैया दिवस–2022 का कार्यक्रम

4. राज्य स्तरीय वार्षिक जैवविविधता पुरस्कार – 2021

जैवविविधता संरक्षण को प्रोत्साहन देने एवं इस दिशा में उत्कृष्ट कार्य कर रहे व्यक्ति, अशासकीय संस्थान, जैवविविधता स्वामित्व रखने वाले शासकीय विभागों (वन, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछली पालन एव जल संसाधन) को चिन्हित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा **राज्य स्तरीय वार्षिक जैवविविधता पुरूस्कार योजना** वर्ष 2018 से प्रारंभ की गई है। यह पुरस्कार 06 श्रेणियों में प्रदाय किये जाते हैं। दिनांक 14, जनवरी 2022 को मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड के सभागार में राज्य स्तरीय वार्षिक जैवविविधता पुरस्कार 2021 हेतु प्राप्त प्रविष्टियों में से विजेताओं के चयन हेतु राज्य स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। समिति द्वारा विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं का चयन किया गया।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, म.प्र. द्वारा ‘‘राज्य स्तरीय वार्षिक जैवविविधता पुरस्कार–2021 के विजेताओं की घोषणा दिनांक 21 फरवरी 2022 को मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड के सभागार में की गई।

राज्य स्तरीय वार्षिक जैवविविधता पुरूस्कार–2021 के विजेता

क्र.	श्रेणी	पुरस्कार	विजेता	किये गये कार्य
01	जैवविविधता स्वामित्व रखने वाले विभाग (वन, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछली पालन इत्यादि)	प्रथम	**शहीद भीमा नायक, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बडवानी**	1. वर्ष 2012 मे संस्थान द्वारा 1 एकड में बोटॉनिकल गार्डन स्थापित किया गया। 2. वर्तमान में लगभग 150 प्रजातियों के पौधों का रोपण कर संरक्षित किया जा रहा है। 3. वर्ष 2016 में लगभग 160 वर्ग फीट का हर्बल औषधीय गार्डन विकसित किया गया जिसमें 53 प्रजातियों के औषधीय पौधे रोपण किय गये।
			क्षेत्रीय वन मंडल, कटनी	1. जैवविविधता अधिनियम 2002 अंतर्गत किये गये व्यापार की जानकारी के प्रबंधन हेतु एम.आई.एस. पोर्टल का निर्माण किया गया। 2. जैवविविधता अधिनियम 2002 अंतर्गत वनमंडल कटनी में एक प्रतिशत लाभ प्रभाजन राशि के साथ जैवविविधता प्रबंधन समितियों हेतु 1 प्रतिशत संग्रहण शुल्क एकत्रित किया गया।
02	जैवविविधता प्रबंधन समिति (स) नगर पालिका/ नगर निगम	प्रथम	**जैवविविधता प्रबंधन समिति नगर पालिका महीदपुर उज्जैन**	1. समिति द्वारा सघन वृक्षारोपण कर जैवविविधता संरक्षण किया गया। 2. रेनवाटन हार्वेस्टिंग एवं रूफवाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य किया गया एवं स्लज ट्रीटमेंट प्लांट बना कर जल संरक्षण किया गया। 3. सूखे कचरे को रिसाईकल कर खाद बनाकर पुनः उपयोग करने योग्य बनाया जा रहा है। 4. पॉलीथीन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा कर शुल्क अधिरोपित किया गया। 5. नगर पालिका परिषद महीदपुर जैवविविधता प्रबंधन समिति द्वारा लोक जैवविविधता पंजी का निर्माण किया गया।

क्र.	श्रेणी	पुरस्कार	विजेता	किये गये कार्य
03	संस्थागत (अशासकीय)	प्रथम	**सर्वहिताय संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था, नीमच**	1. नीमच जिला अंतर्गत आने वाले ग्रामों, नगरों एवं नीमच शहर के सार्वजनिक स्थलों, शासकीय परिसर इत्यादि में छायादार फलदार एव फूलदार वृक्षों का रोपण कर सघन वन क्षेत्रों का निर्माण। 2. जन जागरूकता से संबंधित कार्य किये गये।
		द्वितीय	**मानस कान्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल राजगढ जिला धार**	1. वर्ष 2003 से निरंतर विद्यालय परिसर को जैवविविधता परिसर में परवर्तन किया जा रहा है। 2. स्कूल परिसर एवं इसके आसपास के क्षेत्रों में 125 से अधिक प्राणी एवं 100 से अधिक पेड पौधों की प्रजातियॉ पाई जा रही हैं। 3. विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने से संबंधित कार्य किये गये। 4. विद्यार्थियों में जैवविविधता संबंधी जागरूकता पैदा करने हेतु विभिन्न गतिविधियॉ संचालित की जा रही हैं।
04	व्यक्तिगत (अशासकीय)	प्रथम	**श्री राधेश्याम परिहार, आगर मालवा**	1. अनाजों एवं औषधीय फसलों का उत्पादन एवं संरक्षण का कार्य। 2. नरवाई, खरपतवार, रासायनिक दुष्प्रभाव से आम जनों एवं किसान को सुरक्षित करना। 3. जल बचाओ, वृक्ष लगाओ, पॉलीथीन मुक्त अभियान संचालित किया गया। 4. फल सब्जी तथा औषधीय पौधों की नर्सरी में पैदा कर आमजनों तक पहुंचाया। 5. जलसंरक्षक विधियों से लोगों को अवगत कराया जिसमें भूजल स्तर में वृद्धि हो। 6. जैविक खेती के लिये लोगों को प्रोत्साहित किया।
		द्वितीय	**श्री एस.एल. गर्ग, इन्दौर**	1. पथरीली पहाडी पर 30000 पौधों का रोपण। 2. बंजर पहाडी को सघन वन बनाने में महत्वपूर्ण योगदान। 3. कार्य की अवधि 4 वर्ष है।
05	व्यक्तिगत (शासकीय)	प्रथम	**डॉ. अर्चना शुक्ला, शिक्षक, शासकीय एक्सीलेंस हायर सेकेंडरी स्कूल, सतना**	1. गौरेया पक्षी के संरक्षण हेतु विगत 10 वर्षों से कार्य किया जा रहा है, जिसमें सतना जिले के 100 छात्र जुडे हैं। 2. देशी बीजों (सीताफल) के संरक्षण से संबंधित कार्य विगत 1 वर्ष से किया जा रहा है। 3. सीताफल के 10500 बीज एकत्रित किये गये। 4. सतना सेव सीड केम्पेन प्रारंभ किया गया, जिसमें आम की 6000 गुठलियॉ सतना शहर से एकत्रित की गई। 5. 50 प्रजातियों के क्यू आर कोड तैयार किये गये।

क्र.	श्रेणी	पुरस्कार	विजेता	किये गये कार्य
05	व्यक्तिगत (शासकीय)	**द्वितीय**	**डॉ. गौरव कुमार सक्सेना, वनक्षेत्रपाल, वन परिक्षेत्र अधिकारी, वनपरिक्षेत्र बडवारा, सामान्य वन मंडल कटनी**	1. वनमंडल अंतर्गत सर्वाधिक व्यापारियों द्वारा जैव विविधता में पंजीयन कराया गया। 2. वनमंडल अंतर्गत वनोपज संग्रहण – 14066 क्विंटल कराया गया जिससे स्थानिक संग्राहकों को राशि रू 50239855/– प्राप्त हुई। 3. वनमंडल अंतर्गत वर्ष 2020–21 में सर्वाधिक एबीएस संग्रह हुआ।
06	**पहुंच एवं लाभ प्रभाजन के अधिकतम अनुबंध (अ) श्रेष्ठ वनमंडल**	**प्रथम**	क्षेत्रीय वनमंडल, कटनी	क्षेत्रीय वनमंडल, कटनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2020–21 में सर्वाधिक अनुबंध किया गया।
		द्वितीय	क्षेत्रीय वनमंडल, सिंगरौली	क्षेत्रीय वनमंडल, सिंगरौली द्वारा वित्तीय वर्ष 2020–21 में सर्वाधिक अनुबंध किया गया।
	(ब) श्रेष्ठ वन वृत्त	**प्रथम**	वन वृत्त, जबलपुर	वन वृत्त जबलपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2020–21 में सर्वाधिक अनुबंध किया गया।
		द्वितीय	रीवा वन वृत्त	रीवा वन वृत्त द्वारा वित्तीय वर्ष 2020–21 में सर्वाधिक अनुबंध किया गया।
	पहुंच एवं लाभ प्रभाजन की अधिकतम राशि (अ) श्रेष्ठ वनमंडल	**प्रथम**	क्षेत्रीय वनमंडल, कटनी	क्षेत्रीय वनमंडल, कटनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2020–21 में सर्वाधिक एबीएस राशि एकत्रित की गई।
		द्वितीय	क्षेत्रीय वनमंडल, सिंगरौली	क्षेत्रीय वनमंडल, सिंगरौली द्वारा वित्तीय वर्ष 2020–21 में सर्वाधिक एबीएस राशि एकत्रित की गई।
	(ब) श्रेष्ठ वन वृत्त	**प्रथम**	वन वृत्त जबलपुर	वन वृत्त जबलपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2020–21 में सर्वाधिक एबीएस राशि एकत्रित की गई।
		द्वितीय	वन वृत्त रीवा	वन वृत्त रीवा द्वारा वित्तीय वर्ष 2020–21 में सर्वाधिक एबीएस राशि एकत्रित की गई।

अमरकंटक क्षेत्र जैवविविधता विरासत स्थल घाषित (प्रारंभिक अधिसूचना)

अमरकंटक क्षेत्र में जैवविविधता प्रचुरता में है। यह क्षेत्र पारिस्थितकीय तंत्र एवं दुर्लभ पारिस्थितकीय क्षेत्र है जो पूरे म.प्र. में वानिकी जैवविविधता, कृषि जैवविविधता एवं सांस्कृतिक जैवविविधता का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। जिसका क्षेत्रफल 7681.50 हेक्टेयर है, जो कि वन विभाग म.प्र. शासन के आधिपत्य में है। अमरकंटक पारिस्थितकीय तंत्र, देश को जल प्रदाय करने वाली तीन प्रमुख नदियों नर्मदा, सोना एवं जोहिला का उद्‌गम स्थल है, जिसको संरक्षित करना अति आवश्यक है। जैवविविधता अधिनियम, 2002 की धारा 37 व मध्य प्रदेश जैवविविधता नियम, 2004 के नियम 22 (2) के प्रावधान तथा मध्यप्रदेश में जैवविविधता विरासत स्थल (Biodiversity Heritage Site) दिशानिर्देश 2017 अनुसार मुख्य सचिव म.प्र. शासन तथा अध्यक्ष म.प्र. राज्य जैवविविधता बोर्ड की अध्यक्षता में दिनांक 01.07.2021 को आयोजित बोर्ड बैठक में जैवविविधता बाहुल्य क्षेत्र अमरकंटक जिला अनूपपुर को जैवविविधता विरासत स्थल घोषित किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया। म.प्र. शासन द्वारा क्रमांक 85 दिनांक 15.02.2022 को अमरकंटक जैवविविधता विरासत स्थल घोषित किये जाने की प्रारंभिक अधिसूचना जारी की गई।

लोक जैवविविधता पंजी का अद्यतनीकरण

जनपद पंचायत स्तर पर लोक जैवविविधता पंजी अद्यतनीकरण कार्य उपरांत जनपद पंचायत–शाजापुर एवं जनपद पंचायत–सिहोरा जिला–जबलपुर पंजी की पंजी बोर्ड में जमा की गई। जैवविविधता प्रबंधन समिति –जनपद पंचायत त्योंथर,एवं जवां जिला– रीवा (म.प्र.) की लोक जैवविविधता पंजी एस.डी.मेमोरियल हायर सकेण्डरी स्कूल–गढ़ी जिला रीवा द्वारा बोर्ड में जमा कराई गई।

TOTAL NO. OF RECIEVED PBR (Jan- March 2022)			
Local Bodies	**GIM**	**NBA**	**Total No. of PBR Received**
Janpad	6	28	34
Gram Panchayat	25	0	25
Total No.	**31**	**28**	**59**

जनपद पंचायत – शुजालपुर जिला शाजापुर की लोक जैवविविधता पंजी को मान. श्री इन्दर सिंह परमार की उपस्थिति में किया गया।

जनपद– पंचायत– राजनगर, जिला –छतरपुर

21.02.2022

जनपद पंचायत, टिमरनी, जिला – हरदा दि. 18.01.22

जनपद पंचायत, फन्दा, बैरसिया, जिला भोपाल दि. 25.02.22

डॉ. धर्मेंद्र वर्मा एवं डॉ अतुल कुमाार श्रीवास्तव, सदस्य सचिव, जैवविविधता बोर्ड की उपस्थिति में जनपद–पंचायत– सिहोरा, शुजालपुर, त्योंथर, जवां, सारंगपुर, नगसिंगढ की लोक जैवविविधता पंजी जमा किया गया।

जैवविविधता प्रबंधन समितियों की बैठक

प्रदश में 13 जनपद पंचायतों में एवं 5 नगर पालिकाओं में जैवविविधता प्रबंधन समितियों की बैठक का आयोजन किया गया। इस परिप्रेक्ष्य में जैवविविधता प्रबंधन समिति – नगर पालिका – बड़वानी में दिनांक 06.01.2022 को प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। समितिया की बैठक में समिति के पदाधिकारी गण एवं सदस्य, विषय– विशेषज्ञ उपस्थिति हुये।

जैवविविधता प्रबंधन समिति – नगर पालिका – बड़वानी में उपस्थित सदस्यगण

जैवविविधता प्रबंधन समिति जनपद पंचायत टीकमगढ़ एवं परसवाड़ा जिला बालाघाट

जैवविविधता प्रबंधन समिति जनपद पंचायत अमरपाटन जिला सतना एवं बडवारा जिला कटनी

जैवविविधता प्रबंधन समिति नगर पालिका, सिहोरा जिला जबलपुर, जनपद पंचायत खैरलांजी, जिला बालाघाट

जैवविविधता प्रबंधन समितियों का सक्रियकरण कार्यक्रम

ग्रीन इण्डिया मिशन अंतर्गत वन विद्यालयों में जैवविविधता प्रबंधन समिति/संयुक्त वन प्रबंधन सहजैवविविधता प्रबंधन समिति का प्रशिक्षण जिला – बैतूल, पश्चिम वन मण्डल दिनांक 13 एवं 14 जनवरी 2022, जिला – बालाघाट में दिनांक 27 एवं 28 जनवरी 2022 को आयोजित किया गया। जैवविविधता प्रबंधन समिति– जनपद पंचायत – बडवारा जिला कटनी एवं जनपद पंचायत – सिहोरा जिला – जबलपुर एवं जनपद पंचायत– गुनौर जिला – पन्ना में दिनांक 27.01.2022 को बैठक आयोजित की गई

जिला – बैतूल, पश्चिम वन मण्डल दिनांक 13 एवं 14 जनवरी 2022 एवं जिला –बालाघाट वनक्षेत्रपाल महाविद्यालय, बालाघाट दिनांक 27 एवं 28 जनवरी 2022 में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

जैवविविधिता प्रबंधन समितियों का वन विद्यालय स्तर पर प्रशिक्षण

वन मण्डल	वन विद्यालय प्रशिक्षण केन्द्र	प्रशिक्षण दिनांक	समितियों की संख्या	प्रतिभागी संख्या
पश्चिम बैतूल	वन विद्यालय प्रशिक्षण कार्यक्रम	13 एवं 14 जनवरी 2022	12	12
शिवपुरी	वन विद्यालय शिवपुरी	14, 15 एवं 16 जरवरी 2022	1	139
बालाघाट	रेंजर कॉलेज बालाघाट	27 एवं 28 जरवरी 2022	1	44

प्रशिक्षण कार्यक्रम

(लोक जैवविविधता पंजी पी.आई. एवं कॉ–पी.आई)

लोक जैवविविधता पंजी अद्यतीनकरण कार्य हेतू जिला– सीहोर, बैतूल एवं सतना, सीधी के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों पी.आई. एवं कॉ–पी.आई के साथ दिनांक 7 एवं 8 मार्च 2022 को बोर्ड कार्यालय के सभागार में ऑनलाईन पी.बी.आर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जैवविविधता बोर्ड स्तर से आयोजित ऑनलाईन लोक जैवविविधता पंजी अद्यतीनकरण प्रशिक्षण

जैव संसाधनों के वाणिज्यिक उपयोग से उद्भूत लाभ प्रभाजन

(वित्तीय वर्ष 2021–22)

वित्तीय वर्ष 2021–22 में एबीएस मद अंतर्गत 557 व्यापारियों एवं 24 विर्निमाताओं के द्वारा कुल लाभ प्रभाजन राशि रू. 1,37,40,551.00 प्राप्त हुई है। अद्यतन स्थिति तक (वित्तीय वर्ष 2010–11 से 2021–22 तक) म.प्र. राज्य जैवविविधता बोर्ड के राज्य जैवविविधता निधि खाते में राशि रू. 4,59,45,264.00 प्राप्त हुई है।

इसके साथ ही जैवविविधता अधिनियम, 2002 की धारा–3(2) के प्रावधानों के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021–22 में राष्ट्रीय जैवविविधता प्राधिकरण, चैन्नई द्वारा कुल राशि रू. 12,26,389.00 म.प्र. राज्य जैवविविधता बोर्ड को एबीएस राशि उपलब्ध कराई गई है। बोर्ड को प्राप्त उक्त एबीएस राशि को संबंधित जैवविविधता समितियों एवं संस्थाओं (03 संस्थाओं एवं 16 जैवविविधता प्रबंधन समितियों) को वितरित किया गया है।

जैवविविधता समाचार पत्रों में

जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अभिनव पहल

भोपाल, (राप्र डेस्क)। जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-समुदाय में जागरूकता की अलख जगाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा डब्ल्यूडब्ल्यूएफ फॉर नेचर के सहयोग से अभिनव पहल की जा रही है। शनिवार को रात्रि अर्थ पावर के मौके पर एक निजी मॉल में अनुपयोगी बिजली को एक घंटे के लिए बंद किया गया। यह उपक्रम बिजली की खपत को कम करने के लिए किया गया। इस मौके पर पुलिस बैंड द्वारा देशभक्ति की शानदार प्रस्तुति दी गई।

106 औषधीय पौधों को संग्रहित किया गया

सिहोरा। नगर पालिका परिषद सिहोरा मे जैव विविधता के प्रोजेक्ट इंवेस्टिजेटर डॉ.राजभान साहू द्वारा 106 पौधों को संग्रहित कर रविवार को मुख्य नगर पालिका परिषद अधिकारी श्रीमती जयश्री चौहान के सहयोग से फिल्टर प्लांट सिहोरा में दो फलदार पौधे आम और अमरूद, एक आंवले का पौधा, दो चितावर, आठ निरगुण्डी, अठ्ठारह भुई आंवला, तीन भृंगराज, दो अपराजिता, एक अलोवेरा, एक तुलसी, तीन पथरचटा तथा एक दमना का पौधा इस प्रकार से कुल 43 औषधीय पौधों को लगाकर एक साथ संरक्षित किया गया। जिसमे संतोष कुमार तिवारी, अमित मालिकराज ,अमन तथा रंजीत उपस्थित रहे।

जैव विविधता, पर्यावरण संरक्षण के प्रति पहल की

भोपाल। जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-समुदाय में जागरूकता की अलख जगाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा डब्ल्यू. डब्ल्यू. एफ. फॉर. नेचर के सहयोग से अभिनव पहल की जा रही है। शनिवार को रात्रि अर्थ पावर के मौके पर एक निजी मॉल में अनुपयोगी बिजली को एक घंटे के लिए बंद किया गया। यह उपक्रम बिजली की खपत को कम करने के लिए किया गया। इस मौके पर पुलिस बैंड द्वारा देशभक्ति की शानदार प्रस्तुति दी गई।

जैव विविधता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सिहोरा जनपद की जैव विविधता पंजी तैयार

जनपद गुनौर क्षेत्र में उपलब्ध जैव विविधता की तैयार होगी पंजी

जैव विविधता पंजी तैयार करने के लिए हुई बैठक

जैव विविधता पंजी निर्माण को लेकर हुई बैठक

बुक पोस्ट

प्रति,

....

....

....

प्रेषक –

मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड
प्रथम तल, किसान भवन,
अरेरा हिल्स, भोपाल – 462011 (मध्यप्रदेश)
फोन : 0755–2554549, 2554539, 2764911
ई–मेल : mpsbb@mp.gov.in
वेबसाईट : www.mpsbb.nic.in

संरक्षक

डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव
सदस्य सचिव

संपादक मण्डल

डॉ. बकुल लाड
सहायक सदस्य सचिव
(सी. एण्ड. डी)

डॉ. एलिजाबेथ थॉमस
सहायक सदस्य सचिव
(बायो)

शिवप्रताप सिंह बघेल
सहायक सदस्य सचिव
(प्रशा./वित्त)